



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 507 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 25, 2001/श्रावण 3, 1923

No. 507 ]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 25, 2001/SRAVANA 3, 1923

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2001

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2001

का. आ. 705(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में आई सी आई सी आई लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋण पत्रों की प्रकृति के कुल 400 करोड़ रुपये मात्र से अधिक मूल्य के मोचनीय बॉण्ड (आईसीआईसीआई बॉण्ड-जुलाई, 2001) प्राधिकृत करती है :—

1. टैक्स सेविंग बॉण्ड;
2. रेगुलर इन्कम बॉण्ड;
3. मनी मल्टीप्लायर बॉण्ड;
4. चिल्ड्रन ग्रोथ बॉण्ड;
5. एन्कैश बॉण्ड।

S. O. 705(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Redeemable Bonds (ICICI Bonds-July, 2001) in the nature of debentures as—

1. Tax Saving Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond;
4. Children Growth Bond;
5. Encash Bond.

of the total aggregate value not exceeding rupees four hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[फा. सं. 6/9/सी. एम./2001]

डॉ. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

[F. No. 6/9/CM/2001]

Dr. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

